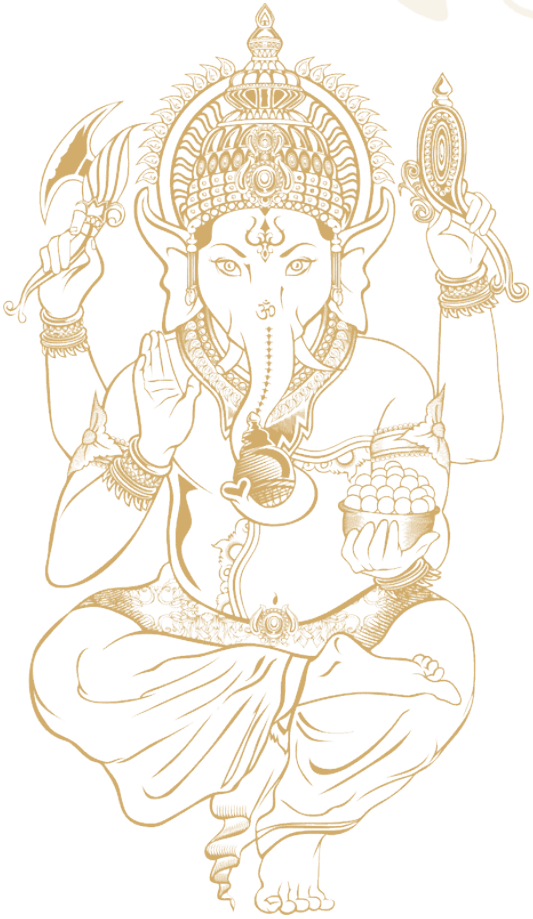

Biharie Vinay Justin

30 Jun 1998

05:35 AM

Amsterdam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121014002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/06/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**05:35:00 घंटे**
इष्ट	00:32:58 घटी
स्थान	**Amsterdam**
देश	Netherlands

अक्षांश	52:23:00 उत्तर
रेखांश	04:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:40:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	-01:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:54:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:36 घंटे
साम्पातिक काल	22:26:38 घंटे
सूर्योदय	05:21:48 घंटे
सूर्यास्त	22:05:56 घंटे
दिनमान	16:44:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:20:14 मिथुन
लग्न के अंश	15:36:14 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:36:14	296:39:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	14:20:14	00:57:13	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			सिंह	26:25:33	12:03:32	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	मिथु	01:56:16	00:40:54	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	04:46:55	01:39:14	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			मीन	03:42:34	00:03:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृष	12:51:06	01:11:22	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			मेष	07:58:56	00:04:27	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु			सिंह	09:04:45	00:00:57	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	09:04:45	00:00:57	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:11:23	00:01:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:33:27	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:01:16	00:01:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	10:57:55	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:02

लग्न-चलित

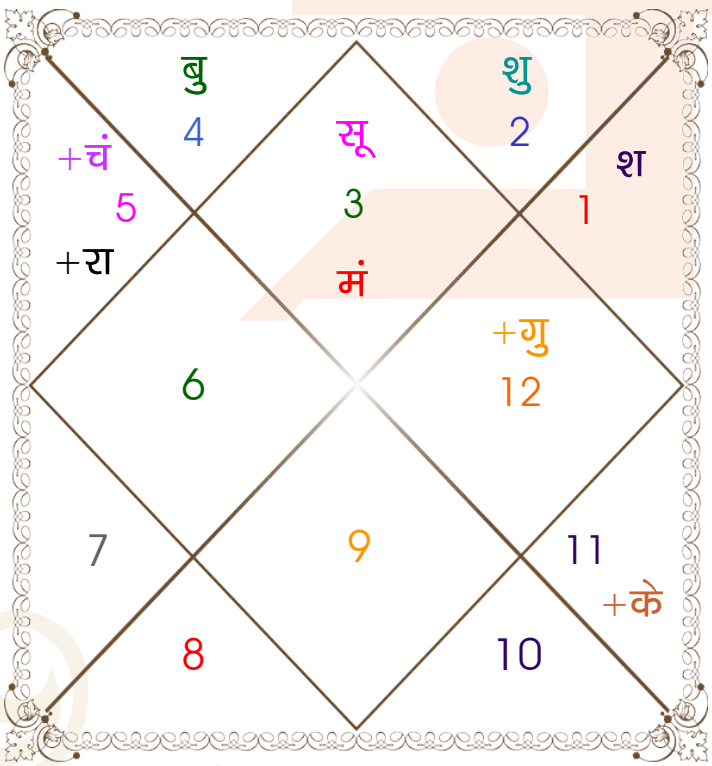

चन्द्र कुंडली

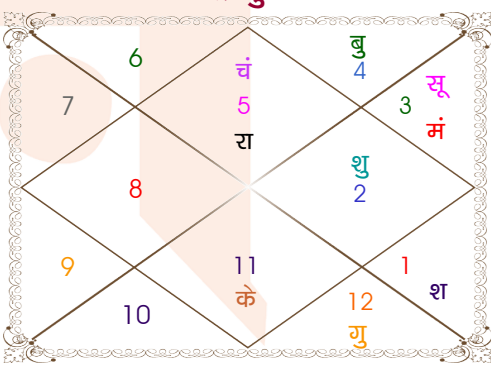

नवमांश कुंडली

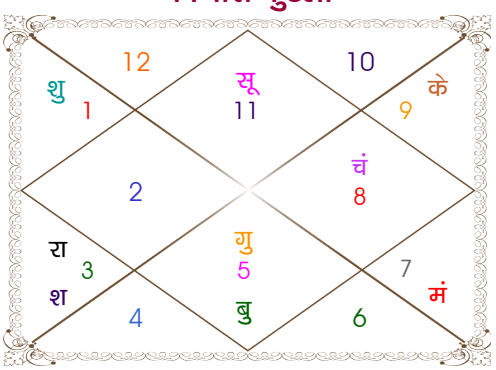

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 4 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/06/1998		09/11/1998		08/11/2004		09/11/2014		08/11/2021	
09/11/1998		08/11/2004		09/11/2014		08/11/2021		09/11/2039	
	00/00/0000	सूर्य	26/02/1999	चंद्र	08/09/2005	मंगल	07/04/2015	राहु	22/07/2024
	00/00/0000	चंद्र	28/08/1999	मंगल	10/04/2006	राहु	24/04/2016	गुरु	15/12/2026
	00/00/0000	मंगल	03/01/2000	राहु	09/10/2007	गुरु	31/03/2017	शनि	21/10/2029
	00/00/0000	राहु	26/11/2000	गुरु	07/02/2009	शनि	10/05/2018	बुध	09/05/2032
	00/00/0000	गुरु	15/09/2001	शनि	09/09/2010	बुध	07/05/2019	केतु	28/05/2033
	00/00/0000	शनि	28/08/2002	बुध	08/02/2012	केतु	03/10/2019	शुक्र	28/05/2036
	00/00/0000	बुध	04/07/2003	केतु	08/09/2012	शुक्र	02/12/2020	सूर्य	21/04/2037
	30/06/1998	केतु	09/11/2003	शुक्र	10/05/2014	सूर्य	09/04/2021	चंद्र	21/10/2038
केतु	09/11/1998	शुक्र	08/11/2004	सूर्य	09/11/2014	चंद्र	08/11/2021	मंगल	09/11/2039

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/11/2039		09/11/2055		09/11/2074		09/11/2091		09/11/2098	
09/11/2055		09/11/2074		09/11/2091		09/11/2098		01/07/2118	
गुरु	27/12/2041	शनि	12/11/2058	बुध	06/04/2077	केतु	06/04/2092	शुक्र	11/03/2102
शनि	09/07/2044	बुध	22/07/2061	केतु	03/04/2078	शुक्र	06/06/2093	सूर्य	11/03/2103
बुध	15/10/2046	केतु	31/08/2062	शुक्र	01/02/2081	सूर्य	12/10/2093	चंद्र	09/11/2104
केतु	21/09/2047	शुक्र	30/10/2065	सूर्य	09/12/2081	चंद्र	13/05/2094	मंगल	09/01/2106
शुक्र	22/05/2050	सूर्य	12/10/2066	चंद्र	10/05/2083	मंगल	09/10/2094	राहु	09/01/2109
सूर्य	10/03/2051	चंद्र	12/05/2068	मंगल	06/05/2084	राहु	28/10/2095	गुरु	10/09/2111
चंद्र	09/07/2052	मंगल	21/06/2069	राहु	24/11/2086	गुरु	03/10/2096	शनि	10/11/2114
मंगल	15/06/2053	राहु	27/04/2072	गुरु	01/03/2089	शनि	11/11/2097	बुध	09/09/2117
राहु	09/11/2055	गुरु	09/11/2074	शनि	09/11/2091	बुध	09/11/2098	केतु	01/07/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 4 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।